SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Tower Technician (Telecom)

टॉवर तकनीशियन दूरसंचार उद्योग की रीढ़ हैं — वे मोबाइल/टेलीकॉम टावरों पर एंटीना, बीटीएस (बेस ट्रांसीवर स्टेशन) और बिजली/बैटरी सिस्टम को लगाते, जोड़ते और उनका रखरखाव करते हैं ताकि आपके फोन का नेटवर्क 24×7 चालू रहे। वे अक्सर ऊँचाई...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/voc-6331

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

टॉवर तकनीशियन दूरसंचार उद्योग की रीढ़ हैं — वे मोबाइल/टेलीकॉम टावरों पर एंटीना, बीटीएस (बेस ट्रांसीवर स्टेशन) और बिजली/बैटरी सिस्टम को लगाते, जोड़ते और उनका रखरखाव करते हैं ताकि आपके फोन का नेटवर्क 24×7 चालू रहे। वे अक्सर ऊँचाई पर चढ़कर काम करते हैं, टावर साइट पर लेवल-1 की खराबी को ठीक करते हैं, केबल और कनेक्शन जाँचते हैं, और समय पर सुपरवाइज़र को रिपोर्ट देते हैं। भारत में 5G के तेज़ विस्तार के साथ यह एक व्यावहारिक, स्थिर और बढ़ता हुआ तकनीकी करियर है जिसमें कक्षा 12 या आईटीआई के बाद कम समय के कौशल प्रशिक्षण से प्रवेश मिल जाता है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	12वीं (विज्ञान/इलेक्ट्रिकल) या आईटीआई + एनएसक्यूएफ लेवल 4 कोर्स
कोर्स अवधि	लगभग 2–4 माह (टॉवर तकनीशियन कौशल कोर्स)
आरंभिक वेतन	₹12,000–16,000/माह
कार्य-शैली	टावर/फील्ड साइट पर पूर्णकालिक, ऊँचाई पर काम

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- तकनीकी और हाथों से करने वाले काम में रुचि
- मोबाइल नेटवर्क, बिजली और इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रति उत्सुकता
- बाहर, खुले में और अलग-अलग जगहों पर काम करना पसंद

क्षमताएँ

- शारीरिक रूप से स्वस्थ और ऊँचाई पर चढ़ने में सक्षम
- समस्या पहचानने और जल्दी हल करने की क्षमता
- सुरक्षा नियमों का पालन और सतर्कता

ज़रूरी कौशल

- ऊँचाई पर सुरक्षित चढ़ाई, सेफ्टी हार्नेस व फॉल-प्रोटेक्शन का उपयोग
- एंटीना, बीटीएस और आरएफ केबल की स्थापना व अलाइनमेंट

- बुनियादी इलेक्ट्रिकल कार्य, बैटरी, रेक्टिफायर व पावर बैकअप की जाँच
- लेवल-1 खराबी की पहचान, मरम्मत और निवारक रखरखाव
- टीम व सुपरवाइज़र के साथ समन्वय और समय पर रिपोर्टिंग
- आरएफ (रेडियो फ्रीक्वेंसी) की मूल बातें और सिग्नल/नेटवर्क जाँच
- टूल्स व मल्टीमीटर का उपयोग तथा साइट रिपोर्ट बनाना

4 कैसे पहुँचें

1. 12वीं (विज्ञान/इलेक्ट्रिकल) या इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक्स में आईटीआई पूरी करें।
2. एनएसडीसी/टेलीकॉम सेक्टर स्किल काउंसिल (टीएसएससी) के 'टॉवर तकनीशियन' एनएसक्यूएफ लेवल 4 कोर्स में नामांकन करें।
3. ऊँचाई पर काम की सुरक्षा, इलेक्ट्रिकल और आरएफ की बुनियादी ट्रेनिंग लें।
4. किसी टावर कंपनी या टेलीकॉम वेंडर के साथ फील्ड में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करें।
5. अनुभव के साथ सीनियर तकनीशियन, फिर साइट सुपरवाइज़र और नेटवर्क इंजीनियर तक बढ़ें।
6. राजस्थान में आईटीआई, आरएसएलडीसी और पीएमकेवीवाई केंद्रों से भी प्रशिक्षण व प्लेसमेंट सहायता मिलती है।

प्रमुख परीक्षाएँ

- टीएसएससी/एनएसडीसी द्वारा टॉवर तकनीशियन (एनएसक्यूएफ लेवल 4) कौशल मूल्यांकन व प्रमाणन

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC) — जयपुर, राजस्थान (https://livelihoods.rajasthan.gov.in/rsldc/)
- औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (ITI) – इलेक्ट्रिशियन/इलेक्ट्रॉनिक्स — राजस्थान के सभी जिले (https://employment.livelihoods.rajasthan.gov.in/)
- राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) – टेलीकॉम/टॉवर तकनीशियन — अखिल भारतीय नेटवर्क (https://nsdcindia.org/telecom-tower-technician)
- एनआईओएस व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र — ऑनलाइन/निकटतम केंद्र खोजें (https://voc.nios.ac.in/registration/locate-study-centre)

निजी संस्थान

- टेलीकॉम सेक्टर स्किल काउंसिल (TSSC) – संबद्ध प्रशिक्षण केंद्र — अखिल भारतीय / नई दिल्ली (https://www.tsscindia.com/)

- पीएमकेवीवाई प्रशिक्षण केंद्र (टेलीकॉम) — राजस्थान के विभिन्न जिले

ऑनलाइन

- स्किल इंडिया डिजिटल हब — ऑनलाइन (https://www.skillindiadigital.gov.in/)
- टीएसएससी लर्निंग पोर्टल — ऑनलाइन (https://learning.tsscindia.com/)

फ़ीस

अधिकांश सरकारी योजनाओं (एनएसडीसी, टीएसएससी, पीएमकेवीवाई, आरएसएलडीसी) के तहत टॉवर तकनीशियन कोर्स मुफ़्त या बहुत कम शुल्क पर उपलब्ध है, अक्सर प्लेसमेंट सहायता के साथ। निजी संस्थानों में यह लगभग ₹5,000–25,000 तक हो सकता है।

छात्रवृत्तियाँ

- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) (https://scholarships.gov.in/fresh/onlineInstituteSearchIndex)
- Buddy4Study – ITI/Vocational Scholarships (https://www.buddy4study.com/article/iti-scholarships)
- SJE Rajasthan Scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

भारत भर में टेलीकॉम टावर कंपनियां, दूरसंचार ऑपरेटर, नेटवर्क वेंडर और इंटरनेट सेवा प्रदाता; काम मुख्यतः शहर व गाँव की टावर साइटों पर होता है।

कार्य-संस्कृति

आमतौर पर सप्ताह में 6 दिन, रोज़ 9–10 घंटे काम; साइट को 24×7 चालू रखना होता है इसलिए इमरजेंसी कॉल, रात की शिफ्ट और ओवरटाइम आम है। ज़रूरत पड़ने पर अलग-अलग साइटों और कभी-कभी अंतर-राज्य यात्रा भी करनी पड़ती है। सुरक्षा उपकरण और नियमों का पालन अनिवार्य है।

कौन नौकरी देता है

- इंडस टावर्स और अमेरिकन टावर कॉर्पोरेशन (ATC) जैसी टावर कंपनियां
- एरिक्सन और नोकिया जैसे नेटवर्क उपकरण वेंडर
- इंटरनेट सेवा प्रदाता और फाइबर/ब्रॉडबैंड कंपनियां
- रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया (Vi) जैसे ऑपरेटर
- टेलीकॉम प्रबंधित सेवा व मेंटेनेंस कंपनियां (मैनेज्ड सर्विसेज़)
- बीएसएनएल और अन्य सरकारी दूरसंचार परियोजनाएं (जैसे भारतनेट)

माँग (2026)

भारत में 5G का तेज़ रोलआउट, गाँव-गाँव तक फाइबर व मोबाइल कवरेज और डेटा उपयोग में भारी वृद्धि के कारण नए टावर लगाने और मौजूदा टावरों के रखरखाव के लिए कुशल टॉवर तकनीशियनों की माँग लगातार बढ़ रही है। इंडस टावर्स, एटीसी, जियो, एयरटेल और वेंडर कंपनियां नियमित रूप से फील्ड तकनीशियन भर्ती करती हैं, जिससे यह एक स्थिर और भविष्य-सुरक्षित करियर बनता है।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. टॉवर तकनीशियन
2. वरिष्ठ टॉवर तकनीशियन
3. फील्ड / साइट सुपरवाइज़र
4. नेटवर्क इंजीनियर

कमाई

शुरुआत	₹12,000–16,000/माह
मध्य स्तर	₹18,000–28,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹35,000–55,000+/माह

इनडीड (2026) के अनुसार भारत में टॉवर तकनीशियन का औसत वेतन लगभग ₹20,000/माह है; फ्रेशर लगभग ₹12,000–16,000/माह से शुरू करते हैं। अनुभव, ओवरटाइम और साइट भत्तों के साथ आय बढ़ती है, और साइट सुपरवाइज़र या नेटवर्क इंजीनियर बनने पर वेतन काफी अधिक हो जाता है। ऊँचाई/फील्ड भत्ते अलग से मिल सकते हैं।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- 5G विस्तार के कारण बढ़ती माँग और स्थिर, भविष्य-सुरक्षित रोज़गार
- कम अवधि के कौशल प्रशिक्षण से जल्दी नौकरी और साफ़ तरक्की का रास्ता
- हाथों से किया जाने वाला व्यावहारिक काम, कार्यालय में बैठे रहने की ज़रूरत नहीं

चुनौतियाँ

- ऊँचाई पर काम में गिरने का जोखिम — सुरक्षा में लापरवाही खतरनाक हो सकती है
- धूप, गर्मी, बारिश और तेज़ हवा जैसे कठिन मौसम में बाहर काम
- 24×7 साइट के कारण रात की शिफ्ट, इमरजेंसी कॉल और यात्रा

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Mukesh Chaudhry
बेयरफुट वायरलेस इंजीनियर, तिलोनिया (राजस्थान)

राजस्थान के तिलोनिया से आने वाले मुकेश चौधरी ने डिजिटल एम्पावरमेंट फाउंडेशन के प्रशिक्षण से 'बेयरफुट वायरलेस इंजीनियर' बनकर गाँव-गाँव में सोलर-संचालित वायरलेस नेटवर्क और एंटीना लगाने का काम सीखा। उन्होंने कच्छ के छोटे रण में अगरिया समुदाय के लिए 30 स्कूलों को इंटरनेट से जोड़ा और रात्रि पाठशालाओं में सौर-ऊर्जा से रोशनी और कनेक्टिविटी पहुँचाई। उनका कहना है, 'हर बच्चे को सीखने का हक़ है।' उनकी कहानी दिखाती है कि साधारण गाँव से निकलकर, ऊँचाई पर एंटीना और टावर लगाने जैसे तकनीकी कौशल से, समाज को जोड़ने वाला मज़बूत करियर बनाया जा सकता है।

Digital Empowerment Foundation · https://www.defindia.org/barefoot-wireless-engineers-using-human-networks-to-grow-the-internet/

Naghma Khan
बेयरफुट वायरलेस इंजीनियर, बारां (राजस्थान)

राजस्थान के बारां ज़िले की नगमा ख़ान ने समाज के विरोध के बावजूद डिजिटल एम्पावरमेंट फाउंडेशन के साथ 'बेयरफुट वायरलेस इंजीनियर' का प्रशिक्षण लिया और अपने गाँव की इंटरनेट कनेक्टिविटी को बनाए रखने व वायरलेस उपकरण संभालने का काम सँभाला। लोग कहते थे कि लड़की को पुरुषों के साथ काम नहीं करना चाहिए, फिर भी उन्होंने काम के साथ-साथ सामाजिक विज्ञान की डिग्री पूरी की और अब गाँव की दूसरी लड़कियों को भी यह तकनीकी हुनर सिखाती हैं। उनका सफ़र हर उस लड़की के लिए प्रेरणा है जो एंटीना, टावर और नेटवर्क जैसे तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहती है।

Internet Society · https://www.internetsociety.org/issues/community-networks/success-stories/barefoot-wireless-engineers/

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस – टॉवर तकनीशियन — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%9f%e0%a5%89%e0%a4%b5%e0%a4%b0-%e0%a4%a4%e0%a4%95%e0%a4%a8%e0%a5%80%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%a8/

2. एनएसडीसी – टेलीकॉम/टॉवर तकनीशियन जॉब रोल — https://nsdcindia.org/telecom-tower-technician

3. टेलीकॉम सेक्टर स्किल काउंसिल (TSSC) — https://www.tsscindia.com/

4. इनडीड – टॉवर तकनीशियन सैलरी (भारत, 2026) — https://in.indeed.com/career/tower-technician/salaries

5. इंडस टावर्स (देश की सबसे बड़ी टावर कंपनी) — https://www.industowers.com/

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल
रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।
career.gsssjethantri.in